अवैध रूप से संचालित हो रहे शाजापुर में होटल और गार्डन

दिल्ली जैसी घटना यदि शाजापुर में हो, तो कौन जिम्मेदार, नगर पालिका से एक भी होटल की अनुमति नहीं

शाजापुर । शाजापुर शहर में होटल हो या गार्डन हो, बिना वैध अनुमति के ही संचालित हो रहे हैं. कई होटल तो केवल दुकान और व्यवसायिक अनुमति पर ही संचालित हो रहे हैं. शाजापुर नगर पालिका ने आज तक किसी भी होटल या गार्डन पर कोई कार्रवाई नहीं की. दिल्ली की होटल में हुई घटना यदि शाजापुर में हो जाए, तो उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा. यही हाल गार्डनों का है. जिनमें बिना अनुमति के निर्माण किया जा रहा है.

गौरतलब है कि शाजापुर में दुपाड़ा रोड, एबी रोड पर लगभग आधा दर्जन होटल संचालित किए जा रहे हैं. होटल संचालन की वैध अनुमति नगर पालिका से नहीं ली गई है. नगर पालिका के रिकॉर्ड में शाजापुर का एक भी होटल, होटल के नाम से संचालित नहीं है और न ही किसी भी होटल को ट्रेड लाइसेंस नगर पालिका ने आज तक जारी किया है. यदि नगर पालिका के रिकॉर्ड की बात करें, तो नगर पालिका के रिकॉर्ड के अनुसार शाजापुर शहर में एक भी होटल वैधानिक अनुमति के साथ संचालित नहीं हो रहा है. कई होटल संचालकों ने तो व्यवसायिक दुकान के नाम पर नगर पालिका से अनुमति ली, जिस पर आलीशान होटल तान दिए गए. यही हाल गार्डनों का है. काशी नगर रोड पर जायसवाल गार्डन बिना अनुमति के ही खड़ा कर दिया गया है. जिसकी अनुमति नगर पालिका ने जारी नहीं की. इन होटल और गार्डनों में सुरक्षा के उचित उपाय भी नहीं है. यदि किसी दिन बड़ा हादसा हो गया, तो इसके लिए जिम्मेदार कौन होगा?

नोटिस के नाम पर होता है खेल, ठोस कार्रवाई आज तक नहीं...

जब भी अवैध निर्माण की शिकायत या मीडिया में खबरें आती हैं, तो जांच के नाम पर मोटी रकम लेकर मामले को दबा दिया जाता है. यही कारण है कि शाजापुर शहर में बिना अनुमति अवैध निर्माण धड़ल्ले से किए जा रहे हैं और पूर्व में भी किए गए हैं, लेकिन आज तक किसी भी अवैध निर्माण पर नगर पालिका का बुल्डोजर नहीं चल पाया. यदि एक-दो अवैध निर्माण पर नगरपालिका का बुलडोजर चल जाए, तो अवैध निर्माण पर रोक लग सकती है. लेकिन पैसे के चक्कर में अनुमति जारी कर दी जाती है और बाद में जब घटना घटित होती है, तो एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर जिम्मेदार पल्ला झाड़ लेते हैं.

बिना अनुमति संचालित हो रहे आलीशान होटल

एबी रोड पर हाल ही में एक नया होटल शुरू हुआ है, जिसकी अनुमति व्यवसायिक है . उसके पास होटल चलाने का लाइसेंस नहीं है . उसी प्रकार पूर्व में एक नए होटल जिसका नाम परिवर्तन हो गया है, उसकी स्थिति यह है कि यदि होटल में कोई दुर्घटना हो जाए, तो निकलने के लिए एकमात्र रास्ता है . याने कि आपातकाल रास्ते की कोई व्यवस्था नहीं है . थाने के पास के होटल, दुपाड़ा रोड पर होटल, इनके पास नगर पालिका द्वारा होटल संचालन करने की किसी प्रकार की कोई अनुमति नहीं है . यही हाल गार्डनों का है . जायसवाल गार्डन ने तो सब को मात देते हुए इतना निर्माण कर लिया कि नगर पालिका ही बिल्डिंग के आगे बोनी साबित हो गई .

फायर एनओसी तो ठीक नपा के पास होटल-गार्डन की जानकारी तक नहीं

लापरवाही की पराकाष्ठा पार हो गई कि शहर में एक दर्जन लक्जरी होटल संचालित हो रहे हैं और इतने ही गार्डन . जो हर महीने लाखों रुपए की कमाई करते हैं . डेढ़ से दो हजार रुपए और तीन हजार तक के रूम इन होटलों में किराये पर दिए जाते हैं . कई होटलों के नीचे तो दुकानें भी किराये से हैं . शादी के सीजन में गार्डनों में दो से तीन लाख तक की एक शादी की आय होती है . लेकिन किसी के पास भी न फायर एनओसी है, न ही आकस्मिक दुर्घटना घटित होने पर बचाव के लिए कोई पर्याप्त उपाय है . यहां तक कि इन होटलों-गार्डनों की वैध अनुमति नगरपालिका से आज तक नहीं ली गई .

इनका कहना है...

शाजापुर शहर में किसी भी होटल का ट्रेड लाइसेंस नहीं है. न ही गार्डन की अनुमति किसी के पास है. शाजापुर नगर पालिका अवैध रूप से होटल-गार्डन संचालन को लेकर सख्त कार्यवाही करेगी. साथ ही इन्हें नोटिस जारी किए जाएंगे. सभी होटल और गार्डनों की जांच के लिए दल बनाया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की घटना, दुर्घटना होने पर जिम्मेदार तय की जा सके.

- भूपेंद्र कुमार दीक्षित, सीएमओ-शाजापुर

ट्रेड लाइसेंस के बिना अवैध रूप से संचालित होटल-गार्डन...

- सुंदरम होटल
- राजश्री होटल
- शरणम होटल
- निलेश होटल
- जायसवाल गार्डन
- मल्हार गार्डन
- अमन गार्डन
- गौरी गार्डन
- पटेल गार्डन
- कमला सागर गार्डन
- दुर्गा गार्डन
- तोरण गार्डन
- राधा गार्डन
- शगुन गार्डन
- अपना गार्डन

एक नजर में

सात दिनी भागवत कथा में धूमधाम से मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, मनमोहक झांकियां रही आकर्षण का केंद्र

शुजालपुर । नेमा समाज के तत्वावधान में श्री राम जानकी धाम में आयोजित सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिवस भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया . कथा स्थल पर श्रीकृष्ण जन्म की मनमोहक झांकी ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया .कथा के दौरान कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य प्रसंग का सजीव मंचन प्रस्तुत किया, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे, जन्मोत्सव के अवसर पर ठाकुरजी का पालना झुलाया गया. उपस्थित श्रद्धालुओं ने भजन .कीर्तन के साथ नृत्य करते हुए नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष लगाए . व्यासपीठ से कथा वाचन कर रहे आचार्य मनोज व्यास ने श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग का भावपूर्ण एवं सारगर्भित वर्णन करते हुए भगवान की बाल लीलाओं का महत्व बताया . उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन धर्म, प्रेम और मानवता का संदेश देता है. जन्मोत्सव के उपरांत दधिकांदो दत्त खाना का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर नेमा समाज द्वारा प्रतिदिन ठाकुरजी की विभिन्न लीलाओं का आकर्षक एवं मनोहारी प्रस्तुतीकरण किया जा रहा है,जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. कथा में समाजजनों के साथ नगर के गणमान्य नागरिकों एवं विभिन्न धर्मप्रेमी बंधुओं की भी बड़ी संख्या में सहभागिता रही, श्रद्धालु प्रतिदिन कथा श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे .

यात्री एक्सप्रेस से टकराया सांड, आधे घंटे रुकी ट्रेन

शुजालपुर । काचीगुडा-भगत की कोठी यात्री एक्सप्रेस के इंजन से गुरुवार दोपहर एक सांड टकरा जाने के कारण ट्रेन को शुजालपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास करीब आधे घंटे तक रोकना पड़ा .घटना दोपहर लगभग 2 . 50 बजे की बताई जा रही है, ट्रेन भोपाल की ओर जा रही थी . हादसे के बाद रेलवे फाटक क्रमांक 79 लंबे समय तक बंद रहने से शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित हो गया . पुलिस चौकी चौराहा मंडी क्षेत्र से लेकर दूर तक वाहनों की कतारें लग गईं . फ्रीगंज क्षेत्र में भी यातायात की रफ्तार धीमी रही और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा . सूचना मिलते ही रेलवे विभाग की टीम मौके पर पहुंची . कर्मचारियों ने इंजन के नीचे फंसे मृत सांड को हटाने के लिए अभियान चलाया . करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद मवेशी को ट्रैक से हटाया गया, जिसके बाद ट्रेन को आगे रवाना किया जा सका . घटना के कारण कुछ समय तक रेलवे फाटक बंद रहा, जिससे शहर में जाम जैसी स्थिति बनी रही . बाद में यातायात सामान्य होने पर लोगों ने राहत की सांस ली .

ईदगाह के पास काटा 50 वर्ष पुराना नीम का वृक्ष

शाजापुर । गुरूवार शाम गिरवर रोड स्थित ईदगाह के पास शासकीय भूमि पर खड़े एक नीम के पेड़ को अवैध रूप से काट दिया गया . सूचना मिलने पर पटवारी की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन पेड़ काट रहे कर्मचारी कटी हुई लकड़ी वहीं छोड़कर फरार हो गए . घटना की जानकारी मिलने के बाद पटवारी ललित कुंभकार और ताहिर पटवारी ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार किया और कटी हुई लकड़ी को जब्त कर लिया . पंचनामे के अनुसार बिना किसी अनुमति के काटा गया यह शासकीय नीम का पेड़ लगभग 50 वर्ष पुराना था . मौके से बरामद हुई लकड़ी का अनुमानित वजन करीब 150 क्विंटल बताया गया है, जिसे फिलहाल ग्राम कोटवार को सौंप दिया गया है . इस पेड़ को आरी से काटा गया था और लकड़ी को किसी संचालक को बेचने की तैयारी थी, हालांकि प्रशासनिक कार्रवाई की भनक लगते ही सभी आरोपी मौके से भाग निकले . इस मामले में आगे की जांच जारी है . इधर लोगों ने भी पेड़ कटने पर नाराजगी जाहिर की है . लोगों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध पेड़ कटाई की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं . प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी कार्रवाई न होने के कारण ऐसे तत्वों के हौसले बुलंद हैं, लोगों ने अब वन विभाग से इस मामले में सख्त कदम उठाने की मांग की है .

तहसीलदार की कृपा से कांग्रेस का वर्क फ्रॉम होम...

बात शाजापुर की
मनोज पुरोहित

शाजापुर के तहसील कार्यालय में इन दिनों भारी शांति का माहौल है. यह शांति काम हो जाने की संतुष्टि की नहीं, बल्कि काम को कल और उस कल के बाद वाले कल पर टालने की अद्भुत कला की है. हमारे तहसीलदार साहब ने डिजिटल इंडिया के युग में एक नया सिद्धांत प्रतिपादित किया है धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय, जनता चाहे रोए, पर काम अगले साल ही होय. तहसीलदार साहब की इस लचर कार्यप्रणाली और फाइलों को लॉन्ग टर्म रिलेशनशिप में रखने की आदत ने जनता को तो परेशान किया ही है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसका असर कुछ ज्यादा ही गहरा हो गया है. आमतौर पर किसी भी राजनीतिक दल को चुनाव जीतने के लिए पसीना बहाना पड़ता है. रैलियां करो, घोषणा पत्र बनाओ, जनता के बीच जाकर वादे करो, लेकिन शाजापुर में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को इन दिनों गहरी और सुकून की नींद आ रही है. उन्हें अपनी जीत के लिए किसी चाणक्य की जरूरत नहीं है, क्योंकि उनके सबसे बड़े स्टार प्रचारक खुद तहसीलदार साहब बने हुए हैं. पीड़ित आमजनों का दर्द है कि साहब, नामांतरण, नपती, सीमांकन और अन्य राजस्व कामों लिए आपके दफ्तर के चक्कर काट-काटकर चप्पलों के साथ-साथ हमारी भाजपा को वोट देने की इच्छा भी घिस गई है. तहसीलदार साहब की कार्यप्रणाली को देखकर लगता है कि उन्होंने अंदर ही अंदर कांग्रेस से कोई गुप्त समझौता कर लिया है. वे जितनी शिद्दत से भाजपा के पारंपरिक वोट बैंक (यानी आम जनता और किसानों) को परेशान करते हैं, उतनी ही शिद्दत से कांग्रेस का वोट बैंक मजबूत होता जा रहा है. भाजपा के कार्यकर्ता बेचारे दिन-रात केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का ढिंढोरा पीटते नहीं थकते. वे जनता के पास जाते हैं और कहते हैं देखिए, सरकार ने आपके लिए क्या-क्या किया! तभी जनता पीछे से एक फाइल निकालकर दिखा देती है यह देखिए, आपकी सरकार के तहसीलदार साहब छह महीने से इस पर कुंडली मारकर बैठे हैं. बस, वहीं पर पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है. तहसीलदार साहब की मेज पर जितनी धूल जमा हो रही है, भाजपा के वोट बैंक पर भी उतनी ही धूल चढ़ती जा रही है. जनता सोच रही है कि जब काम के लिए चक्कर ही काटने हैं, तो फिर सत्ता बदलने में क्या हर्ज है. कम से कम चेहरा तो बदलेगा! देखा जाए तो तहसीलदार साहब का यह रवैया आत्मनिर्भर भारत का सबसे बड़ा उदाहरण है. उन्होंने खुद को काम करने की जिम्मेदारी से इतना आत्मनिर्भर कर लिया है कि अब जनता को अपने काम के लिए भगवान भरोसे छोड़ दिया है. शाजापुर के कांग्रेसी नेताओं को चाहिए कि वे तहसीलदार साहब की लंबी उम्र की दुआ मांगें और उनके दफ्तर के बाहर एक धन्यवाद का बुके भिजवाएं. क्योंकि जब तक साहब अपनी सीट पर बैठकर काम टालने का यह पवित्र यज्ञ करते रहेंगे, तब तक कांग्रेस को चुनाव जीतने के लिए रत्ती भर भी मेहनत करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी. इसे ही कहते हैं आम के आम और बिना मेहनत के गुठलियों के दाम.

फूफा के बाद अब मौसा से सामना...

नगर पालिका में सास भी कभी बहू का सीरियल खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है. नगरपालिका के फूफाओं की फूं-फां अभी बंद नहीं हुई कि अब नगरपालिका के प्रशासनिक मौसाजी से नाराजगी देखने को मिल रही है. हालांकि नगरपालिका के वर्तमान प्रशासनिक मौसाजी का जैन के प्रति प्रेम काफी पुराना है. उनकी ये अदावत दो दशक से चल रही है. अब देखना यह है कि फूफा के बाद मौसा का प्रकरण कब तक खिंचेगा.

टूटना ही था, तो कुछ देर बाद टूट जाता...

शाजापुर के विकास के लिए शहर के हाईवे का चौड़ीकरण हो रहा है, लेकिन ठेकेदार महोदय ने इतना घटिया निर्माण शुरू किया कि ट्रेक्टर के पहिये से नाले का स्लेब धराशायी हो गया. अब इसमें ठेकेदार की गलती नहीं है, उस स्लेब की गलती है, जो ट्रेक्टर के पहिये का वजन नहीं झेल पाया. जब स्लेब को टूटना ही था, तो थोड़ा सब्र कर लेता और भुगतान के बाद टूट जाता. अब ठेकेदार को अपना घटिया निर्माण दबाने के लिए लक्ष्मी दर्शन कराना होंगे.

अंत में...

हुकुमसिंह कराड़ा के मैदान में आने से भाजपा में बेचैनी कम है, कांग्रेस के दूसरे कबीलों में हड़बड़ी मची हुई है. भाजपा से ज्यादा कांग्रेस के असंतुष्ट नेता कराड़ा के सक्रिय होने से बेचैन हैं.

कृषि एवं संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक संपन्न

शाजापुर । कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा आगामी 6 जून को ली जाने वाली एपीसी बैठक की पूर्व तैयारी के संबंध में गुरूवार को कलेक्टर ऋजु बाफना की अध्यक्षता में कृषि एवं संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में कलेक्टर ने रबी वर्ष 2025-26 के दौरान विभागों द्वारा किए गए कार्यों आगामी खरीफ वर्ष 2026 की तैयारियों एवं बैठक के बिन्दुओं पर विस्तृत समीक्षा की. कलेक्टर बाफना ने खरीफ 2026 के लिए उर्वरक एवं बीज की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने, किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान सामग्री उपलब्ध कराने तथा संतुलित उर्वरक उपयोग के प्रति कृषकों को जागरूक करने के निर्देश दिए. कलेक्टर बाफना ने कृषि विज्ञान केन्द्र को सोयाबीन फसल बुवाई की नवीन किस्मों पर वीडियो तैयार कर कृषकों के बीच प्रचार व बीज प्रमाणीकरण का कार्य पूर्ण न होने से संबंधित अधिकारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए.

रातरानी, कनेर, मोगरा, मधुकामनी जैसे फूलों से महकेगा मां चामुंडा का धाम

दुपाड़ा रोड पर मां चामुंडा टेकरी पर विश्व पर्यावरण दिवस से प्रारंभ होगा द्वितीय चरण का पौधारोपण अभियान

शाजापुर । दुपाड़ा रोड स्थित टेकरी पर मां चामुंडा मंदिर परिसर को हरा भरा सुगंधित एवं आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से मंदिर समिति द्वारा व्यापक पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है. अभियान के प्रथम चरण में मातृ दिवस के अवसर पर मंदिर परिसर में 14 पौधे रोपित किए गए थे. अब विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से अभियान के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया जाएगा, जिसके अंतर्गत मंदिर परिसर में 108 पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है.

समिति द्वारा परिसर में चमेली, चांदनी, रातरानी, गुड़हल, चम्पा, कनेर, मोगरा, मधुकामनी, हरसिंगार, मधुमालती, राखीबेल, कृष्णकमल, अपराजिता सहित विभिन्न सुगंधित एवं पुष्पीय पौधे लगाए जाएंगे, जिससे टेकरी का वातावरण और अधिक आकर्षक, हरित एवं आध्यात्मिक बनेगा. विशेष बात यह रहेगी कि प्रत्येक पौधे के समीप एक स्थायी नाम पट्टिका लगाई जाएगी. जिसमें पौधा लगाने वाले श्रद्धालु का नाम, पौधारोपण की दिनांक एवं पौधे का नाम अंकित रहेगा. श्रद्धालु अपने माता पिता, परिजनों अथवा किसी प्रियजन के सम्मान या स्मृति में भी पौधा रोपित कर सकेंगे.

पौधारोपण आप भी करें, संभालने की जिम्मेदारी मंदिर समिति उठाएगी...

पौध रोपण के इस अभियान में मंदिर समिति द्वारा एक सराहनीय पहल की जा रही है . दरअसल, यहां पर श्रद्धालुओं द्वारा पौध रोपण किया जाएगा और संभालने की जिम्मेदारी मंदिर समिति उठाएगी . समिति सदस्य एवं सेवानिवृत्त उद्यान अधिकारी राजबीर सिंह चौहान, अजय सिंह एवं कुलदीप सिंह तोमर ने बताया कि पौधों के लिए गड्ढों, मिट्टी एवं रोपण स्थल की व्यवस्था मंदिर समिति द्वारा की जाएगी . साथ ही पौधों की सुरक्षा, खाद, पानी एवं नियमित देखभाल की जिम्मेदारी भी समिति सदस्यों की रहेगी . उनका प्रयास रहेगा कि लगाए जाने वाले पौधों का शत प्रतिशत संरक्षण हो तथा अधिकतम पौधे जीवित रहकर भविष्य में चामुंडा टेकरी को एक सुंदर हरित एवं सुगंधित आध्यात्मिक उपवन के रूप में विकसित करें .

तीसरे चरण में फलदार पौधो लगाएंगे...

उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण के पश्चात तृतीय चरण में मंदिर परिसर से लगी लगभग तीन बीघा भूमि पर सभी श्रद्धालुओं एवं नागरिकों के सहयोग से वृहद स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा . इस चरण में बड़े होने वाले छायादार एवं फलदार वृक्षों का रोपण कर क्षेत्र को विकसित करने की योजना है ताकि भविष्य में यह स्थान धार्मिक आस्था के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता एवं जनकल्याण का भी एक आदर्श केंद्र बन सके. समिति ने सभी श्रद्धालुओं एवं नागरिकों से विश्व पर्यावरण दिवस पर अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर श्एक पौधा मां के नाम अभियान से जुड़ने तथा चामुंडा टेकरी को हरित, सुगंधित एवं आध्यात्मिक धाम बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया है.

समर कैंप के समापन पर आज मंत्री परमार देंगे पुरस्कार

शुजालपुर । जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर समर कैंप का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह शुक्रवार, 5 जून को महाविद्यालय खेल प्रांगण में आयोजित किया जाएगा. महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग के अनुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 20 अप्रैल से 5 जून तक विभिन्न खेल गतिविधियों के लिए समर कैंप का आयोजन किया गया. शिविर में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लेकर खेलों का प्रशिक्षण प्राप्त किया. समापन समारोह प्रात: 6.30 बजे आयोजित होगा. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग के कैबिनेट मंत्री होंगे. समारोह में समर कैंप के उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा. महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों, अभिभावकों, खेल प्रेमियों एवं नगरवासियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने तथा आयोजन की गरिमा बढ़ाने की अपील की है. समर कैंप के माध्यम से विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन एवं शारीरिक दक्षता के विकास का उद्देश्य रखा गया था.

बाल अधिकार आयोग का दो दिनी दौरा आज से, कई विभागों का करेंगे निरीक्षण

शाजापुर । मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा एवं सदस्य सोनम निनामा 5 व 6 जून को शाजापुर जिले के दौरे पर रहेंगी. महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस दौरान बाल अधिकार संबंधी प्रकरणों एवं बाल संरक्षण मुद्दों पर स्टेक होल्डर्स महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, विशेष किशोर पुलिस इकाई के कार्यो की समीक्षा बैठक लेंगी. बाल देखरेख संस्थाओं का निरीक्षण भी करेंगी.

लीलाधर मनवारे बने अध्यक्ष

शुजालपुर । मध्य प्रदेश नगर निगम, नगर पालिका पेंशन संघ के प्रदेश स्तरीय निर्वाचन उज्जैन में सम्पन्न हुए, निर्वाचन प्रक्रिया का संचालन सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक एवं निर्वाचन अधिकारी आरएस रावत की देखरेख में किया गया. चुनाव में प्रदेश के विभिन्न संभागों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन की कार्यवाही संपन्न हुई, अध्यक्ष पद के लिए केवल एक आवेदन प्राप्त होने के कारण लीलाधर मनवारे को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया. इसी प्रकार अन्य पदों पर भी निर्वाचन की घोषणा की गई. रामनिवास शर्मा को कार्यवाहक अध्यक्ष, पवन मिश्रा उपाध्यक्ष, गंगाधर शर्मा महामंत्री, बनवारी लाल मालाकार सचिव तथा बनवारी लाल यादव हरदा को कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया. नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का प्रतिनिधियों एवं पेंशनर्स ने स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी. इस अवसर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा पेंशनर्स की समस्याओं के निराकरण के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया गया.

एक नजर में

भूमि सीमांकन के लिए मांगी थी 25 हजार रूपए की रिश्वत

पटवारी को 5 हजार की रिश्वत लेते लोकायुक्त ने पकड़ा

बड़ौद । लोकायुक्त पुलिस उज्जैन ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम झलारा के पटवारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है.

जानकारी के अनुसार आवेदक श्रीपालसिंह परिहार निवासी ग्राम झलारा तहसील बड़ौद ने लोकायुक्त कार्यालय उज्जैन में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी कृषि भूमि के सीमांकन के लिए पटवारी राजकुमार चौहान द्वारा 25 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है. शिकायत के अनुसार आरोपी पहले ही 15 हजार रुपए प्राप्त कर चुका था तथा शेष 10 हजार रुपए में से 5 हजार रुपए की राशि लेने के लिए आवेदक पर दबाव बना रहा था. लोकायुक्त उज्जैन की टीम ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद गुरुवार को तहसील कार्यालय बड़ौद स्थित पटवारी कक्ष में जाल बिछाया. कार्रवाई के दौरान आरोपी पटवारी राजकुमार चौहान को आवेदक से 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों ट्रैप किया गया.

मामला दर्ज किया...

लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है . यह कार्रवाई लोकायुक्त के महानिदेशक योगेश देशमुख के निर्देश तथा उप पुलिस महानिरीक्षक मनोज सिंह के मार्गदर्शन में लोकायुक्त उज्जैन की टीम द्वारा की गई. लोकायुक्त संगठन ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई शासकीय अधिकारी या कर्मचारी किसी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है, तो इसकी शिकायत तत्काल लोकायुक्त कार्यालय में करें .